शारीर (शरीर रचना एंव किया)

I. शरीर की परिभाषा (Definition of Body),षंडग–शारीर परिचय(Six Division of body),शारीर शब्दावली (Anatomical Terms)

II. कोषाणु (Cell) ऊतक (Tissue) कोष्ठांग (Organs), आशयए कला (Membrane) तथा स्त्रोतस (Channels) ग्रन्थि (Glands) का सामान्य परिचय एंव कार्य

III. प्राणवह स्त्रोतस (Respiratory System) – ह्रदय (Heart), फुफ्फुस (Lungs), नासा गल (Pharynx) स्वरयन्त्र (Larynx) श्वासनलिका (Trachea) तथा वायुकोष (Bronchi and Alveolus) की रचना एंव किया का ज्ञान। श्वसन किया (Physiology of Respiration)

IV. उदकवह स्त्रोतस (Lymphatic System) – कोषस्थ (Cellular) धातुगत (Tissue) तथा अन्तरस्थ (Interstitial) उदकांश परिवहन, लसिकावाहिका (Lymph Vessels) तथा लसिका परिवहन (Lymph Circulation)

V. अन्नवह स्त्रोतस (Digestive System) – पाचन के प्रमुख और सहायक अवयवों की रचना एंव किया का ज्ञान (Structure and Functions of digestive and accessory organs), पाचन प्रकिया एंव अवशोषण (Process of digestion and absorption), धातुपाक (Metabolism), अग्नि तथा पाचक रस (Enzymes and digestive juice), पाचन प्रकिया में त्रिदोष का कर्तृत्व (Role of Tridosa in Digestion Process)।

VI. रक्तपरिसंचरण स्त्रोतस (Cardio-Vascular System)- रक्तवाहिकाऐं (Blood Vessels) धमनी (Artery), सिरा (Vein) केशिका (Capilaries) की रचना

तथा मुख्यरक्तवाहिकाओं की शरीर में स्थिति का परिज्ञान (Structure and Position of Chief Vessels)

यकृत (Lever) Iyhgk (Spleen) की रचना एंव किया का ज्ञान

रक्त (Blood)- संगठन (Composition), स्कन्दन (Clotting) एंव रक्तवर्ग (Blood Group) का ज्ञान रस रक्त संहवन (Blood Circulation), हृत्कार्य चक्र (Cardiac-Cycle), रक्तभार (Blood Preasure) एवं नाडी (Pulse) का ज्ञान

VII. मॉस एंव अस्थिवह स्त्रोतम (Musculo-Skeletal System)

अस्थि : प्रकार, रचना एंव किया (Bones: Types, Structure and Function) का ज्ञान

संधि : वर्गीकरण, रचना एंव किया (Joints: Classification, Structure and Function) का ज्ञान

मॉसपेशियों के प्रकार, रचना एंव किया (Type of Muscles, Structure and Function); मुख्य मॉसपेशियों की स्थिति एंव किया का ज्ञान (Position and Action of Chief Muscles of the Body)

VIII. उत्सर्जन तंत्र (Excretory System) : मूत्रवह संस्थान के अवयवों की रचना एंव किया का ज्ञान (Structure and Function of Organs of Urinary System)

मूत्र निर्माण (Urine Formation) एंव मलोत्यर्ग (Defecation), त्वचा की रचना एंव किया का Kku (Structure and Function of the Skin), शरीर में ताप नियन्त्रण (Regulation of Body Temprature),

IX. मनोवह स्त्रोतस (Nervous System): केन्द्रीय नाड़ी संस्थान की रचना एंव किया का ज्ञान (Central Nervous System: Structure and Function), स्वायत्त नाड़ी संस्थान की रचना एंव किया का ज्ञान (Autonomous Nervous System: Structure and Function),

पोषणक, ग्रैवेयक, पराग्रैवेयक, थाइमस, अधिवृक्क, अग्नाशय ग्रन्थियों की रचना एंव किया का ज्ञान (Structure and Function of Pituitary, Thyroid, Para-Thyroid, Thymus, Supra renal, Pancreas Glands)

ज्ञानेन्द्रियों की रचना एंव किया का ज्ञान (Structure and Function of eye, ear, nose, and tongue), दर्शन, श्रवण तथा संतुलन की किया का ज्ञान (Physiology of Vision, hearing and equilibrium),

X. प्रजनन तंत्र (Reproductive System): पुरुष एंव स्त्री के प्रमुख एंव सहायक प्रजनन अंगों की रचना एंव किया का ज्ञान (Structure and Functions of Male and Female Reproductive and accessory organs) गर्भोत्पादक भाव एंव गर्भाधान (Elements of fetus, mechanism and conception), गर्भस्थ रक्त परिसंचरण और गर्भपोषण का ज्ञान (Fetal Blood Circulation and its Nutrition),

XI. दोष धातु मलों की परिभाषा, स्थान भेद एंव कर्म का वर्णन।
प्रकृति एंव उसके प्रकारों का ज्ञान।
ओज के स्वरुप भेद एंव गुणकर्म का वर्णन।

परिचर्या के मूल सिद्धान्त

I. परिचर्या का परिचय

परिचर्या का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, सिद्धान्त एंव इतिहास नर्स की परिभाषा, अर्थ, व्यक्तिगत एंव व्यावसायिक गुण परिचर्या में आचार संहिता तथा परिचारक के कर्त्तव्य एंव दायित्व

स्वास्थ्य रक्षा अभिकरण चिकित्सालय एंव समुदाय चिकित्सालय के कार्य एंव प्रकार परिचारक का रोगी के प्रति, उसके अभिभावक के प्रति, चिकित्सालय के अधिकारियों के प्रति तथा अपने सहकर्मियों के प्रति व्यवहार

II. रोगी परिचर्याः आतुर एंव स्वस्थ का परिचयः स्वस्थ स्थिति के आयाम चिकित्सालय(वहिरंग एंव अन्तरंग) में रोगी के प्रवेश की प्रकिया का ज्ञान शैय्या के प्रकार एंव उपयोग, शैय्याओं को सुसज्जित करने की विधि, चिकित्सालय में भर्ती रोगी की समुचित देखभाल की प्रकिया एंव योजना निर्धारण का परिज्ञान, चिकित्सालय के रिकॉर्ड संधारण और रोगी के निर्गम की प्रक्रिया का परिज्ञान

III. रोगी की आवश्यकतानुसार परिचर्या, रोगी के मुख, त्वचा आदि शारीरिक अंगो की स्वच्छता, पोषण सम्बन्धी आवश्यकता का परिज्ञान, पीड़ा और वेदना के समय परिचर्या, रोगी के कार्यों में सहयोग प्रदान करना, शैय्याव्रण के कारण लक्षण, चिह्न, बचाव के उपाय तथा परिचर्या, रोगी को स्थानान्तरित करने के तरीके

IV. रोगी परीक्षण के सिद्धान्त एंव प्रकियाः दर्शन स्पर्शन प्रश्न श्रवण टेपण करने की प्रकिया, रोगी की शारीरिक परीक्षा जैसेः ऊँचाई, भार, वाणी की परीक्षा करने की विधि, रोगी के तापमान, नाड़ी, श्वसन गति, रक्तभार आदि की परीक्षा करने का ज्ञान, रोगी विवरण पत्रक भरने के नियम

V. चिकित्सा सम्बन्धी कार्य एंव परिचर्या, एनिमा देने की विधि, योनि प्रक्षालन, गुद परिषेक तथा अन्य उपचार विधियों में परिचर्या, बन्धन के विविध प्रकारों का ज्ञान, विसंक्रमण की विधियों का ज्ञान, प्रयोगशालीय परीक्षण हेतु नमूनों के सग्रंहण करने की विधियों का ज्ञान, शीत–उष्ण प्लोत के प्रयोग का ज्ञान

VI. औषधालय में औषधियों के रखने की विधि, विषाक्त औषधियों को रखने के नियम तथा औषध देने की विधि (मुख–गुदा आदि द्वारा) का ज्ञान एंव चिकित्सालय के बहिरंग एंव अन्तरंग विभाग में होने वाले सभी कार्यो का परिज्ञान, चिकित्सालय में प्रयुक्त साधन सामग्री एंव उपकरणों के रख–रखाव तथा उनके विसंक्रमण का ज्ञान।

स्वस्थवृत्त (Hygiene)

(क) व्यक्तिगत स्वास्थ्य एंव सामुदायिक स्वास्थ्य :– (Personal Hygine and Community Health)

स्वास्थ्य की अवधारणा एंव सफल जीवन से सम्बन्ध (Concept of Health and its relation to successful living) :- स्वास्थ्य की परिभाषा (definition of health), स्वास्थ्य के निर्धारक तत्त्व (Determinants of health), स्वास्थ्यप्रद आदतों का निर्माण (Building of good health habits), स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक, त्वचा, केश, दंत, आंख, कान, हाथ, ओर पैर की सुरक्षा के उपाय; निद्रा, व्यायाम, विश्राम का महत्व; दिनचर्या, रात्रिचर्या एंव ऋतुचर्या का महत्व; मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण; शिशु, बालक, किशोर, युवा एंव वृद्ध अवस्था की मानसिक स्थिति का ज्ञान; सद्वृत – आचार रसायन का महत्व; धारणीय एंव अधारणीय वेग; ब्रह्मचर्य के लक्षण, भेद; विवाह योग्य आयु

रोग एंव आरोग्य का विवेचन; प्राथमिक स्वास्थ्य संरक्षण – तत्व एंव सिद्धान्त (Primary health care: Elements and Principles) जल – जल के स्त्रोत, स्वास्थ्यवर्धक जल, जल का महत्व एंव आवश्यकता, जल आपूर्ति तथा स्वच्छता हेतु कार्य – योजना, मृदु एंव कठोर जल, जल, की अशुद्धियों, जल शुद्धि क उपाय, दूषित जल से उत्पन्न होने वाली व्यधियों एंव बचाव के उपाय, जल परीक्षण, आदर्श कुऑं, वायु – वायु के कार्य, वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण के संकेतक, वायु प्रदूषण के खतरे, सुरक्षा और नियन्त्रण के उपाय; संवातन के प्रकार, निवास स्थान – निवास स्थान हेतु योग्य भूमि, प्रकाश व्यवस्था, खराब आवास एंव स्वास्थ्य, उत्तम आवास, ध्वनि प्रदूषण – ध्वनि प्रदूषण के स्त्रोत, हानियॉं एंव रोकथाम के उपाय, अपद्रव्य का स्वरूप, हानियॉं तथा निस्तारण के उपाय।

जनपदोध्वंस (Epidemiology) एवं संक्रामक रोग - जनपदोध्वंस के कारण एवं स्वरूप। संक्रामक रोग की परिभाषा, संक्रमण के प्रकार एवं प्रसार, संक्रामक रोग, मक्खी, मच्छर से उत्पन्न एवं प्रसारित होने वाले रोग तथा बचाव के उपाय, व्याधिक्षमत्व का निरूपण, विसंक्रमण (Sterilization) की विधियाँ।

सामाजिक स्वास्थ्य, औद्योगिक स्वास्थ्य, विद्यालय स्वास्थ्य, निरोधक चिकित्सा, स्वास्थ्य शिक्षा एवं सम्प्रेषण कला, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य में नर्सिंग का दायित्व, स्वास्थ्य मूल्यांकन, स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्द्धन एवं पुर्नस्थापन्न में नर्सिंग का दायित्व।

(ख) **आहार एवं पोषण** :- पोषण का स्वास्थ्य के साथ सम्बन्ध (Relationship of nutrition to health), आहार के स्रोत, आहार के आवश्यक तत्व, कार्बोज, प्रोटीन, वसा, खनिज लवण, जीवनीयत्तत्वों के कार्य एवं अभाव जन्य व्याधियाँ, सन्तुलित भोजन, आवश्यक भोजन की गणना विधि (Method of calculating normal food requirements) कुपोषण (Mal-Nutrition) का स्वरूप एवं प्रकार, अष्टविधं आहार विधि विशेषायतन

दुर्व्यसन तथा मादक पदार्थ यथा मद्य अफ़ीम; ड्रग्स, तम्बाकू आदि का शरीर पर कुप्रभाव एवं उसे त्यागने की विधि।

राष्ट्रीय पोषण संस्थान परिचय, पोषण कार्यक्रम परिचय, चिकित्सालय में आहार योजना।

(ग) **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा** :-

योग :- योग की परिभाषा एवं प्रयोजन, योग के अंग, (भेद) आयुर्वेद में योग का वर्णन, स्वास्थ्य रक्षण में योग का महत्त्व, विभिन्न आसनों की उपयोगिता तथा स्वास्थ्य पर उसका प्रभाव, प्राणायाम की विधि एवं व्याधियों का प्रतिकार,

प्राकृतिक चिकित्सा :- प्राकृतिक चिकित्सा का प्रयोजन एवं महत्व, जल का ठण्डे गर्म भेद से चिकित्सा में उपयोग, पाद प्रक्षालन, वमन, धौति बस्ति, स्नान का महत्व, भाप स्नान का प्रयोग एवं प्रकार, मिट्टी मर्दन का चिकित्सा में लाभ, सूर्य प्रकाश का महत्त्व एवं धूप स्नान, मर्दन के भेद एवं गुण तथा चिकित्सा में महत्व, चिकित्सा में उपवास का महत्व।

औषध द्रव्य परिचय

(क) आयुर्वेद –

1. आयुर्वेद की परिभाषा, आयु के प्रकार, आयुर्वेदावतरण (आत्रेय एंव धन्वन्तरि सम्प्रदायनुसार) आयुर्वेद के अंग, वृहत्त्रयी एंव लघुत्रयी संहिताओं का सामान्य परिचय,
2. द्रव्य का लक्षण एंव परिभाषा, द्रव्यगुण ज्ञान का प्रयोजन, रस, गुण, वीर्य, विपाक कर्म एंव प्रभाव का सामान्य परिचय, लक्षण एंव भेद।
3. द्रव्यों का संग्रहण एंव संरक्षण विधि।
4. निम्नांकित औषध द्रव्यों का सक्षिप्त परिचय एंव गुणकर्म का ज्ञान–
   त्रिफला, त्रिकटु, पंचकोल, दशमूल, एला, दालचीनी तेजपात, नागकेसर, अजवायन, चन्द्रशूर, हिंगु, वचा, कुटकी, पुष्करमूल, कुलजंन, चोपचीनी, वायविडंग, गुडुची, कुटज, मदनफल, कर्कटश्रृंगी, कायफल, मंजीठ, हल्दी, दारूहल्दी, अतीस, लोध्र भिलावा भांग, अफीम, धतूरा, वत्सनाभ, जयपाल, कुचला, सर्पगन्धा, अश्वगंधा, कर्पूर, चन्दन, जावित्री, जायफल, लौंग, केसर, खस, नेत्रबाला, नागरमोथा, पित्तपापडा, चिरायता, पटोलपत्र, सहिजना, शतावरी इन्द्रायण बला, धृतकुमारी, पुनर्नवा भृंगराज, मकोय, मुलेठी, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, वनफ्सा, गोजिहवा, लेहसवा, जूफा, अकरकरा, तालिशपत्र, ज्योतिष्मती, कॉचनार, वाकुची, आरग्वध, गुग्गल, अशोक, खदिर, अपामार्ग, वासा, सोनामुखी, एरण्ड, अर्क, रसोन, कपिकच्छु, शरपुंखा, गुडहल, सुदर्शन, पर्णवीज, नारिकेल, बबूल, नीम
5. निम्नांकित जान्तव द्रव्यों का परिचय एंव गुणकर्म का ज्ञान– कस्तुरी, गोरोचन, कपर्द, शंख, शुक्ति, प्रवाल, मुक्ता, अम्बर, मृगश्रृंग, शम्बूक।

(ख) यूनानी :–

1. यूनानी परिचय, यूनानी चिकित्सा पद्धति का संक्षिप्त इतिहास तथा मूल सिद्धान्तों का सामान्य परिचय
2. निम्नांकित औषध द्रव्यों का सक्षिप्त परिचय एंव गुणकर्म का ज्ञानः
   मुनक्का, अंजवार, अंजीर, अखरोट, आबनूस आलूबोखारा, ईसबगोल, उन्नाव, उलटकम्बल, उशब्बा, अजराकी, उस्तेखुददूस, कवाबचीनी, कहरूवा, खतमी और गुलरेख, खुब्बाजी व खुब्बाजी बुस्तानी, गावजबा गुडहल, गुल–अब्बास, गुल चार्दनी, जवाशीर, जवासा, जूफा, दरूनज–अकरवी, बेदमुश्क, मस्तंगी, मुश्तदाना, रेवंदचीनी, सनाय, सुरजान, हब्बुलकिलकिल, खाकसी, बनफशा, कासनी, बादयान, सपिस्ता, तुखमबालंगू, जदवार।

(ग) होम्योपैथी :–

1. होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के सिद्धान्त एंव परिचय :–
   (अ) होम्योपैथी का इतिहास एंव परिचय
   (ब) होम्योपैथी के सिद्धान्त

2. मेटेरिया मेडिका (लक्षणों की संक्षिप्त जानकारी)

Aconite nap
Aloe Soc
Apis Mel
Arnica Mont
Belladonna
Calc Carb
Calendula
Carbo Veg
Causticum
Chamomilla
Colocynth
Colocynth
China(Cinchoma)
Cantharic Ledum Pal

Heper Sulph
Ipecac
Lycopodium
Merc Sol
Phosphorous
Pulsatilla
Rhus Tox
Silicea
Sulphur
Thuja
Nux Vomica
Varah Alb.
Hypericum

रसशाला (Pharmacy) तथा औषध एवं पथ्य निर्माण

(क) आयुर्वेद :-

i. रसशास्त्र का परिचय एवं इतिहास का संक्षिप्त वर्णन,

ii. परिभाषा प्रकरण :- लवणपञ्चक, मधुरत्रय, अम्लवर्ग, पंचगव्य, द्रावकगण, रसपंक, भावना, ढालन, आवाप, निर्वाप, शोधन, मारण तथा भस्म परीक्षा का वर्णन।

iii. औषध निर्माण में प्रयुक्त यन्त्र एवं उपकरण परिचय :-
दोलायन्त्र, डमरूयन्त्र, स्थालीयन्त्र, पालिका यन्त्र, स्वेदन यन्त्र, पुटयन्त्र, विद्याधर यन्त्र, घटयन्त्र, भूधर यन्त्र, पाताल यन्त्र तथा तुलायन्त्र का सामान्य परिचयात्मक वर्णन एवं पल्वलाइजर, मिक्सर, ज्यूसर, टेबलेट मेकिंग मशीन तथा अन्य नवीन मशीनों का वर्णन। कोष्ठी निर्माण का सामान्य ज्ञान व उपयोग, सामान्य मूषा, व्रजमूषा, पक्व मूषा तथा गोस्तनी मूषा का स्वरूप एवं उपयोग।

iv. पुट :- महापुट, गजपुट, वाराह पुट, कुक्कुटपुट, कपोतपुट, गोमयपुट, कुम्भपुट, बालूपुट भूधरपुट तथा लावकपुट का वर्णन।

v. रस :- साधारणरस, उपरस, महारस, धातु, उपधातु, रत्नोपरत्न, विषोपविष का सामान्य परिचय, शोधन एवं मारणविधि का वर्णन।

vi. कज्जली, अभ्रकभस्म, मयूरपिच्छभस्म, मण्डूरभस्म, मुक्तापिष्टी प्रवालपिष्टी जहरमोहरापिष्टी, अकीकपिष्टी, त्रिभुवनकीर्तिरस, लक्ष्मीविलासरस, आनन्दभैरवरस, श्वासकुठाररस, चन्द्रामृतरस, सूतशेखररस, इच्छाभेदीरस, पुनर्नवामण्डूर, नवायसलौह, सप्तामृतलौह, पंचामृतपर्पटी, रसपर्पटी, श्वेतपर्पटी तथा रससिन्दूर, समीरपन्नगरस, मकरध्वज आदि की निर्माणविधि, गुणकर्म एवं मात्रा का वर्णन।

vii. मान परिभाषा :- पौतवमान, मागधमान तथा कलिंग मान का परिचय एवं आधुनिक मान का परिज्ञान।

viii. औषध मिश्रण पद्धति :- चिकित्सालय में प्रयुक्त औषधियों के अनुपात, सम्मिश्रण तथा मात्रा का परिज्ञान, औषध प्रयोग काल (द्वादश) तथा अनुपान, चिकित्सा व्यवस्था-पत्रक के सांकेतिक चिन्हों का ज्ञान।

ix. यन्त्र, उपकरण तथा अन्य साधन सामग्री और कच्ची एवं निर्मित औषधियों को व्यवस्थित रखने की समुचित जानकारी का ज्ञान, निर्मित औषधियों की शीशियों पर लेबल लगाने की विधि का ज्ञान।

x. भैषज्य कल्पना :-
पंचविधकषाय कल्पना, क्षीरपाक, स्नेहसिद्धि, संधान कल्पना, अवलेह, चूर्ण, वटी, शार्कर (Syrup) वर्ति, अर्क, क्षार-सत्व, गुलकन्द, मुरब्बा निर्माण की प्रक्रिया उदाहरण सहित।

xi. पथ्य निर्माण :-

आहारकल्प तथा यूष, यवागू, वेश्वार, प्रमथ्या, मण्ड, पेया, विलेपी, मन्थ, तक्र, उष्णोदक तथा सिद्धोदक (षडंगपानीय) के निर्माण का ज्ञान।

रोगानुसार पथ्य विशेष यथा - ज्वर, अतिसार, प्रमेह, राजयक्ष्मा, शोथ आदि रोगों में।

(ख) यूनानी :-

i. अर्क कशीद करने का तरीका तथा निम्न दवाओं का अर्क कशीद करना।
(अ) अर्क जीरा (ब) अर्क बदयान (स) अर्क गावजबान (द) अर्क कासनी

ii. इत्रीफल बनाने का तरीका तथा निम्न इत्रीफल को तैय्यार करना।
(अ) इत्रीफल जमानी, (ब) इत्रीफल उस्तेखुददूस

iii. माजून बनाने का तरीका तथा निम्न माजून को तैय्यार करना।
(अ) माजून मूचरस (ब) माजून अर्द खुरमा

iv. खमीरा बनाने का तरीका तथा निम्न खमीरा को तैय्यार करना।
(अ) खमीरा गावजवान (ब) खमीरा बनफशा

v. मुफरदात एवं मुरक्कबात दवाओं की हिफाजत करने के तरीके

(ग) होम्योपैथी :-

i. होम्योपैथी फार्मेसी

(अ) होम्योपैथी दवाईयों के स्त्रोत (Sources)

(ब) होम्योपैथी औषध निर्माण एवं शक्तिकरण

i. **Vehicles**
ii. **Potentisation (Dilutions & Trituration with Scales)**
iii. **Prescriptions Writing**
iv. **Preparation of Lotion, ointment and eye drops etc.**

चिकित्सा परिचर्या (Medical Nursing)

1. दोष धातु एवं मलों के क्षय-वृद्धि एवं प्रकोप के कारण एवं लक्षण, रोग का लक्षण एवं परिभाषा, रोग के भेद, निदानपंचक, षडविध क्रियाकाल, स्रोतस परिचय, उपद्रव, अरिष्ट विज्ञान।
2. रोगोत्पाद के सूक्ष्म जीव परिचय, वर्गीकरण, रचना, सूक्ष्मजीवों से रोगोत्पत्ति, संक्रमण से सुरक्षा एवं नियन्त्रण के उपाय, विज्ञप्ति पृथक्करण, स्वास्थ्य शिक्षा, व्याधि क्षमता।
3. प्रयोगशाला में सामान्य रक्त, मल, मूत्र, शुक्र एवं ष्ठीवन (Sputum) के परीक्षण की विधि का ज्ञान।
4. चिकित्सा की परिभाषा एवं भेद, चिकित्सा परिचर्या का परिचय एवं महत्त्व।
5. प्राणवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- श्वास, कास, हिक्का, प्रतिश्याय, राजयक्ष्मा, हृदय रोग आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
6. उदक वह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- उदकक्षय, शोष, तृष्णा आदि में परिचर्या, पथ्य- व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
7. अन्नवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- अग्निमांद्य, अजीर्ण आनाह, आध्मान, छर्दी, अम्लपित्त, गृहणी- उदरशूल आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
8. रसवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- ज्वर पाण्डु, आमवात रक्तचाप (Hypertension) आदि मे परिचर्या तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
9. रक्तवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- रक्तपित्त, कामला, वातरक्त कुष्ठ, शीतपित्त आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।

शल्य-शालाक्य परिचर्या

Surgical & E.N.T. and Ophthalmological Nursing

1. शल्य परिचर्या का परिचय एवं क्षेत्र, व्रण, व्रणशोथ, विद्रधि के निदान, सम्प्राप्ति लक्षण एवं उपद्रवों का ज्ञान।
2. शल्य निर्हरण एवं अष्टविध शस्त्रकर्म का ज्ञान।
3. रक्तस्तम्भन का ज्ञान, अग्निकर्म, क्षारकर्म, रक्तावसेचन (श्रृंग, अलाबू, जलौकावचारण, सिरावेध) का परिचय।
4. अग्रोपहरणीय (त्रिविध कर्म-पूर्व, प्रधान एवं पश्चात्) का ज्ञान, यन्त्र-शस्त्र का प्रकार, संख्या कर्म गुणदोष एवं उनके रखरखाव का ज्ञान, पिचु, प्लोत, कवलिका, कुशा आदि का ज्ञान।
5. व्रणितोपासन का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या में महत्त्व, विसंक्रमण का ज्ञान, व्रणबन्धन के प्रकार एवं विधियों का ज्ञान।
6. गुदज विकार- अर्श, भगन्दर, परिकर्तिका, गुदभ्रंश का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या।
7. भग्न एवं संधिच्युति का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या। प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा बन्धन का ज्ञान।
8. अश्मरी (पित्ताशय एवं मूत्रवह स्रोतस की अश्मरी) का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या।
9. वृद्धिरोग का सामान्य परिचय एवं परिचर्या।
10. आत्यायिक अवस्थाओं (जैसे- दुर्घटनाजन्य, दग्ध, विषजन्य तथा रोगजन्य) में प्राथमिक उपचार एवं परिचर्या।
11. नेत्र शारीर का ज्ञान, नेत्र रोगों की संख्या एवं उनका सामान्य परिचय, क्रियाकल्प (आश्च्योतन, तर्पण, पुटपाक, अँजन आदि) विधि का ज्ञान, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम की जानकारी, नेत्र रोगियों की परिचर्या।
12. नासा शारीर का ज्ञान, नासा रोग की संख्या एवं उनका सामान्य परिचय, नासा रोगों की परिचर्या, नस्यकर्म, विधि ज्ञान।
13. कर्ण शरीर का ज्ञान, कर्ण रोगों की संख्या एवं उनका परिचय, कर्ण रोगों की सामान्य परिचर्या, कर्णपूरण विधि का ज्ञान, श्रृव्ययन्त्र का सामान्य परिचय, ध्वनि-प्रदूषण जन्य व्याधियों का सामान्य ज्ञान।
14. मुख शारीर (Oral Cavity) का ज्ञान, मुख रोगों की संख्या एवं उनका सामान्य ज्ञान, मुख रोगों की परिचर्या, क्रियाकल्प (कवल गण्डूष आदि) की विधियों का ज्ञान।
15. शिरोरोगों की संख्या तथा उनका सामान्य ज्ञान, शिरोरोगों में परिचर्या, शिरोबस्ति, शिरोधारा विधि का ज्ञान।

स्त्रीरोग एवं प्रसूति परिचर्या (Gynecological - Maternity Nursing)

1. स्त्री जननांगों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान।
2. शुक्र, आर्तवचक्र, ऋतुमती के लक्षण, गर्भाधान, गर्भिणी के लक्षण, पुंसवन संस्कार विधि।
3. गर्भ का मासानुमासिक विकास, गर्भिणी परिचर्या, गर्भिणी के सामान्य रोग, दोनद का माता एवं गर्भ पर प्रभाव, गर्भिणी में टीकाकरण, बहुगर्भ (**Multiple Pregnancy**), बहिगर्भ स्थिति (**Ectopic gestation**) गर्भस्राव, गर्भपात।
4. आसन्न प्रसवा के लक्षण, प्रसव क्रिया, प्रसव की अवस्थाऐं, प्रसव का प्रबन्धन, प्रसवागार की व्यवस्थाऐं, प्रसव सम्बन्धी यन्त्र शस्त्र तथा उपकरणों का ज्ञान।
5. असामान्य प्रसव (**Abnormalities of Labour**), विकृति स्थिति (**Mal presentation**) विकृत गर्भाशय क्रिया (**Abnormal Uterine Action**) मूढ़गर्भ, गर्भसंग, अपरासंग, प्रसवोत्तर रक्तस्राव आदि का सामान्य ज्ञान।
6. सूतिकाकाल, सूतिकारोग, सूतिका उपद्रव तथा सूतिका परिचर्या।
7. सामान्य स्त्रीरोग- असृग्दर, कृच्छार्त्तव, आर्त्तवक्षय, श्वेतप्रदर, योनिरोग, रजोनिवृत्ति, बन्ध्यत्त्व, रक्तगुल्म, गर्भाशय-योनिभ्रंश, स्त्री जननांग के अर्बुद एवं अर्श का ज्ञान तथा परिचर्या, उत्तरबस्ति-ड्यूस देने की विधि का ज्ञान।
8. स्तन रोग - स्तनविद्रधि, स्तन अर्बुद, स्तन्य दोष का ज्ञान एवं परिचर्या।
9. परिवार नियोजन का महत्त्व, साधन एवं उनके प्रयोगों का ज्ञान, जनसंख्या नीति, मातृमृत्युदर कम करने के उपायों का ज्ञान।

बाल स्वास्थ्य परिचर्या (Child Health Nursing)

1. कौमारभृत्य परिभाषा, सामान्य वय विभाजन यथा जातमात्र, नवजात, क्षीराद, क्षीरान्नाद, अन्नाद का ज्ञान/समयपूर्व प्रसव एवं कालातीत प्रसव प्रबन्धन, शिशु परिचर्या यथा शरीर की सफाई, कण्ठ विशोधन, प्राणवायु प्रत्यागमन, नाभिनाल उच्छेदन, स्नान, अभ्यंग, वस्त्रधारण, रक्षाकर्म, प्राशन, स्तनपान आदि का ज्ञान। शिशुशैय्या-निर्माण, कुमारागार। नाभिनाल से रक्तस्राव एवं पाक नवजात कामला का ज्ञान।
2. मातृस्तन्य के अभाव में प्रशस्तधात्री स्तन्यपान, धात्रीस्तन्य के अभाव में बकरी, गाय के दुग्ध को तैयार कर पिलाने की विधि। वयानुरूप दूध की मात्रा एवं समय निर्धारण का ज्ञान। क्षीरप अवस्था में तरल आहार देने का ज्ञान। वयानुरूप शारीरिक वृद्धि एवं मानसिक विकास का ज्ञान।
3. बालकों में टीकाकरण, अन्नप्राशन संस्कार
4. क्षीरान्नाद अवस्था में अन्य तरल आहार, अर्द्धतरल तथा ठोस आहार सम्बन्धी ज्ञान, दन्तोदभवन सम्बन्धी ज्ञान।
5. अन्नाद अवस्था का ज्ञान, मातृस्तन्य छुड़ाने की विधि, बाल क्रीड़ा स्थल एवं क्रीडनक (Toys) का ज्ञान।
6. किशोर अवस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों का ज्ञान, कुसंगतिजन्य बुरी आदतें एवं अशिष्ट व्यवहार सम्बन्धी ज्ञान।
7. निम्न रोगों का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या का ज्ञान, खण्डौष्ठ, तालुविकृति, मूक, जलशीर्षता, बद्धगुद, नेत्राभिष्यन्द, कुकरकास, कास, प्रतिश्याय, श्वसनकज्वर, तुण्डिकेरीशौथ, मुखपाक, अतिसार, उदरशूल, छर्दी, क्षीरालसक, कृमिरोग, विवन्ध, फक्क, बालशोष, क्वाशिक्योर, मरास्मय, बालपक्षाघात, मृदभक्षणिकाजन्य पाण्डु, कामला, रोमांतिका, मूत्रकृच्छ।

मनोस्वास्थ्य परिचर्या (Mental Health Nursing)

1. मन की निरुक्ति, लक्षण, गुण विषय, कर्म, सत्व-रज-तम का विवेचन तथा इनका मन पर प्रभाव। मानसिक प्रकृतियों का ज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य एवं अस्वस्थता का अर्थ (**Meanining of Mental Health and Illness**)। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताऐं एवं लक्षण, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक।
2. मन की रक्षात्मक क्रियाविधि- (**Mental Defence Mechanism**) परिचय, परिभाषा, वर्गीकरण, सकारात्मक मनोभाव, नकारात्मक मनोभाव, मनोभावों का महत्त्व।
3. व्यक्तित्त्व एवं व्यक्तित्त्व के प्रकार (**Personality and Types of Personality**) परिचय, परिभाषा, व्यक्तित्त्व को प्रभावित करने वाले कारक, व्यक्तित्त्व के प्रकार, व्यक्तित्त्व विकास के सिद्धान्त।
4. मानसिक स्वास्थ्य का आंकलन (**Mental Health Assessment**)
   - मनोरोगी का इतिहास संग्रहण (**Psychiatric History Collection**)
   - साक्षात्कार तकनीक (**Interview Technic**)
   - मानसिक स्तर परीक्षण (**Mental Status Examination**)
   - मानसिक भावों की अनुमान द्वारा परीक्षा
5. मानसिक रोगों के बारे में गलत धारणाऐं
6. मनोरोग एवं नर्सिंग प्रबन्धन-
   - मनोरोगों के आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार सामान्य कारण
   - मानसिक रोगों की संप्राप्ति
   - मनोरोगों का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्गीकरण
   - मनोरोगी के लक्षणों से सम्बन्धित शब्दावली
   - उन्माद
   - अपस्मार
   - अतत्त्वाभिनिवेश
   - मद्यज मानस विकृति
   - मद
   - मूर्च्छा
   - सन्यास
   - भ्रम
   - वातज मानस रोग- अपतन्त्रक
   - मनोदैहिक विकार (**Psychosomatic disorders**)
   - मनोत्तेजक पदार्थों के सेवन से उत्पन्न विकार (**Psychoactive Substance Abuse disorders**)
7. मनोरोगों में दैव व्यपाश्रय एवं सत्वावजय चिकित्सा का ज्ञान।

पंचकर्म नर्सिंग (Panch Karma Nursing)

1. पंचकर्म की परिभाषा, प्रयोजन एवं महत्त्व
2. स्वेदन परिचय, प्रकार, विधि, काल, हीन, अति, सम्यक् स्वेद के लक्षण।
3. पूर्वकर्म-स्नेहन - अभ्यंग विवेचन, काल, प्रयुक्त स्नेह द्रव, गुण, अभ्यंग विधि (Mode of Massage) स्नेहपान, प्रकार, काल, मात्रा, अनुपान, सावधानियाँ, हीन, अतिसम्यक, स्नेहपान के लक्षण, स्नेहव्यापद।
4. वमन- वमन परिचय, विधि, वमनोपग एवं वामक द्रव्य का ज्ञान, सम्यक वमन के लक्षण, हीन, अतियोग के लक्षण, संसर्जन क्रम, वमन व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
5. विरेचन - विरेचन परिचय, विधि-विरेचनोपग एवं विरेचन द्रव्य का ज्ञान, सम्यक विरेचन के लक्षण, हीन, अतियोग के लक्षण, संसर्जन क्रम, विरेचन व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
6. बस्ति - परिचय, बस्ति निर्माण विधि, बस्ति देने की विधि, बस्ति के प्रकार- निरुह, अनुवासन, कालकर्म एवं योगबस्ति का ज्ञान, उत्तरबस्ति, बृंहणबस्ति, माधु तैलिक एवं मात्राबस्ति का परिचय एवं ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण, बस्ति व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
7. नस्य - परिचय, विधि, प्रकार, बृंहण, शोधन नस्य का ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण एवं नर्सिंग परिचर्या
7. रक्तमोक्षण - परिचय, विधि, प्रकार, श्रृंग जलौका अलाबू, शिरावेध, रक्त की मात्रा का ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण एवं नर्सिंग परिचर्या।
8. केरलीय पंचकर्म - परिचय, (A) धाराकर्म- शिरोधारा, उपकरण, प्रकार, तक्रधारा, क्षीरधारा, तैलधारा, निर्माण एवं प्रयोगविधि। (B) पिण्ड स्वेद - पत्रपिण्ड स्वेद, शालिशष्ठीक पिण्ड स्वेद, परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण एवं क्रिया विधि (C) कायसेक - शिरोबस्ति, पिडिच्छिल (Pizichil) परिचय, प्रयुक्त स्नेह, निर्माण एवं क्रिया विधि (D) शिरोलेप - परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण विधि एवं क्रियाविधि (E) अन्नलेप - परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण एवं क्रियाविधि।
9. जरावस्था एवं जरावस्थाजन्य व्याधियाँ- परिचय एवं परिचर्या।
10. रसायन परिभाषा, गुण, प्रकार एवं प्रयोगविधि तथा उपयोगिता का विवेचन
11. बाजीकरण- परिभाषा, बाजीकरण द्रव्य एवं उपयोगिता।